जनहित के मुद्दों पर आम आदमी पार्टी का संघर्ष



इंदौर। आम आदमी पार्टी, इंदौर द्वारा आज संविधान दिवस एवं पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संविधान की मूल भावना, समानता, न्याय और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के साथ ही पार्टी ने शहर के दो महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को लेकर जिला प्रशासन के समक्ष अपनी आवाज बुलंद की।

फूटी कोठी क्षेत्र में सब्जी विक्रेताओं के साथ हो रही कार्रवाई और उनके रोजगार पर मंडरा रहे संकट को लेकर पार्टी ने विक्रेताओं के पक्ष में आवाज उठाई। पार्टी ने मांग की कि गरीब और मेहनतकश लोगों की आजीविका प्रभावित करने से पहले उनके लिए उचित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

वहीं कृष्णबाग कॉलोनी (ग्राम खजरना) में लगभग 65 मकानों को तोड़े जाने से प्रभावित बेघर परिवारों के पुनर्वास, उचित आर्थिक मुआवजे और कथित भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया।

पार्टी ने प्रशासन से मांग की कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत एवं पुनर्वास दिया जाए तथा सब्जी विक्रेताओं को सम्मानजनक तरीके से रोजगार करने के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराया जाए।

जयंतसेनधाम में 12 माह चलेगी भोजनशाला, 36 श्रद्धालुओं ने लिया चलाने का संकल्प



इन्दौर। गच्छाधिपति नित्यसेनसूरीश्वर म.सा. और मुनिमंडल की सानिध्य निश्रा में सिंहासा धार रोड स्थित जयंतसेनधाम में जयंतगिरिराज की भावयात्रा, देववंदन, धर्मसभा एवं दीक्षा के मुहूर्त का आयोजन हुआ। इस अवसर पर लगभग 2000 श्रद्धालु उपस्थित रहें। गच्छाधिपति ने मंगलाचरण कर उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने जयंतसेन धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 12 माह भोजनशाला प्रारंभ करने की प्रेरणा दी। जिस पर 36 श्रद्धालु समाजजनों ने भोजनशाला के संचालन हेतु अपने नाम प्रस्तुत कर इस सेवा कार्य में सहभागी बनने का संकल्प लिया। राजेश जैन युवा के अनुसार इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में मुनिराज डॉ. सिद्धरत्नल विजय मसा, विद्वत्तरत्न विजय मसा, चारित्ररत्न विजय मसा ने भी प्रवचन दिए। धर्मसभा में दीक्षार्थी मान्या बेन धरु उम्र उन्नीस साल एवं अहमदाबाद निवासी भूपेंद्र भाई धरू के दीक्षा प्रसंग का मुहूर्त प्रदान करने के साथ स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। इस दौरान नीरज सुराणा, महेंद्र बागवाला, राजेश जैन युवा, धनराज संघवी, प्रभात चोपड़ा, प्रभात जैन, राजेन्द्र रुणवाल, तेजकुमार बंबोरिया, रजत कावड़िया, राजेंद्र पारेख, वीरेंद्रकुमार लुंग लुंकड़, सुरेन्द्रकुमार सुराणा, अनिल सकलेचा, दिनेश मेहता, श्रीपाल सकलेचा, रवि रांका, मुकेश पोसीत्रा, ललित जैन, मनोज जैन, महेश पीपाड़ा, पंकज पारेख, नरेंद्र राठौर, राकेश पार्श्वनाथ, रितेश लुंकड़, सुभाष श्रीमाल, पंकज कटारिया, शैलेंद्र सुराणा, शशिकांत सकलेचा सहित बड़ी संख्या में जैन समाजजन जयंतसेन धाम में मौजूद रहे।

इंदौर में आज होगा सिविल डिफेंस हवाई हमले व ब्लैकआउट मॉक ड्रिल



इंदौर ॥ राजेश निगम)
आपातकालीन स्थितियों से निपटने और विभिन्न विभागों के आपसी तालमेल को परखने के लिए शहर में आज शुक्रवार, 27 नवंबर 2026 को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह अभ्यास एमजीएम बॉयज हॉस्टल, पिपल्याहाना रोड परिसर (ग्राउंड) में संचालित होगा।

हवाई हमले व ब्लैकआउट पर रहेगा अभ्यास

गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 23 से 27 नवंबर के मध्य सिविल डिफेंस हवाई हमले एवं ब्लैकआउट द्वितीय मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है।

इंदौर में होने वाले इस अभ्यास में हवाई हमले की चेतावनी, ब्लैकआउट, सुरक्षित निकासी, खोज एवं बचाव तथा त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया का जीवंत अभ्यास किया जाएगा। इसमें सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स, होमगार्ड जवान और एनसीसी कैडेट्स सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अधिकारियों के नेतृत्व में जुटेंगे विभिन्न विभाग

इस मॉक ड्रिल के सफल संचालन के लिए जिला कमांडेंट होमगार्ड एवं जिला कमांडेंट एसडीईआरएफ को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

होमगार्ड की डिप्टी कमांडेंट प्रीतिबाला सिंह के मार्गदर्शन व समन्वय में होमगार्ड की टीमें अभ्यास में अहम भूमिका निभाएंगी। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्टोरेट के मीटिंग हॉल (कक्ष क्र. 102) में टेबल टॉप एक्सरसाइज भी संपन्न हुई। अभ्यास में पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड, एमपीईबी, बीएसएनएल और परिवहन विभाग की टीमें आपसी समन्वय के साथ भाग लेंगी।

जसवंतसिंह राठौर बने मास्टर वैष्णव 2026

इंदौर। शहर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकेंडरी स्कूल, इंदौर में नवंबर 2026 को 'मास्टर वैष्णव कॉन्टेस्ट-2026' का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था।



कार्यक्रम में मुख्य निर्णायक के रूप में श्री रितांशु चैहान (अभिनेता एवं मॉडल, कंटेंट क्रिएटर) तथा श्री दिलीप वर्मा (अभिनेता, मॉडल एवं इन्फ्लुएंसर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैलाशचन्द्र जनकल्याण फाउंडेशन संस्था द्वारा विजेता छात्रों को पुरस्कार दिये जाने की जानकारी दी गई।

प्रतियोगिता को चार चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में 23 विद्यार्थियों ने आकर्षक परिधानों के साथ रैम्प वॉक में भाग लेकर अपने आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। द्वितीय चरण में 23 प्रतिभागियों ने टैलेंट शो के माध्यम से अपनी विभिन्न प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया। तृतीय चरण में चयनित 11 विद्यार्थियों ने ग्रूमिंग राउंड में भाग लिया, जिसमें उनकी पर्सनलिटी, आत्मविश्वास, शिष्टाचार एवं संप्रेषण कौशल का मूल्यांकन किया गया। अंतिम चरण में निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों से रोचक प्रश्न पूछे गए, जिनका विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास एवं सूझबूझ के साथ उत्तर दिया।

छात्रों की प्रतिभाओं के आधार पर छात्रों को विभिन्न पुरस्कार जैसे बेस्ट अटायर (मा. अभि विष्वकर्मा), बेस्ट रैंप वॉक, (मा. रूपेष चैहान) बेस्ट टैलेंट (मा. आषीष सोनी), बेस्ट डांसर (मा. लोकेष जाट), बेस्ट प्रेजेंटेशन (मा. दीपक पटेल), बेस्ट सेंस ऑफ ह्यूमर (मा. पीयूष योगी), मोस्ट वर्सेटाइल (मा. ग्रंथ सेठिया), मोस्ट प्लीजेंट पर्सनालिटी (मा. भविष्य वर्मा), मोस्ट अनजेंटिक (मा. पिंकेष कसेरा), तथा ओवरऑल एटरेक्टिव फिजिकल अपीयरेंस (मा. वंष नागर) देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से विजयी छात्रों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

मध्यस्थता सिर्फ विवाद सुलझाने का तरीका मात्र नहीं

इंदौर। सर्व समाज सामुदायिक मध्यस्थता समूह की अनूठी पहल - दीपावली मिलन समारोह एवं राष्ट्रीय विधि दिवस का शानदार आयोजन किया इस आयोजन के अवसर पर मुख्य प्रणेता डॉ. मुहम्मद शमीम द्वार अपने उद्बोधन में कहा गया कि,सामुदायिक मध्यस्थता सिर्फ विवाद सुलझाने का तरीका मात्र नहीं है - यह समाज को मजबूत बनाने, शांति बनाए रखने और लोगों के बीच भरोसा बढ़ाने का सबसे सुंदर रास्ता है।



जब हम अपनी समस्या या विवाद खुद ही सुलझा लेते है तो अदालतों पर बोझ कम हो जाता है, समाज में प्यार बढ़ता है और सबसे महत्वपूर्ण हमारा समय, धन, सम्मान तीनों सुरक्षित रहते है।

इस अवसर पर डॉ. मुहम्मद शमीम द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुवे मध्यस्थता समूह द्वारा समाज में जल संरक्षण - जल संवर्धन एवं नशा मुक्ति के क्षेत्र में वर्षभर सकारात्मक कार्य किये जाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के लीगल एड ऑफिसर दीपक शर्मा ,उज्जैन-देवास से पधारे मध्यस्थगण सर्व श्री अमजद बेलीम, एजाज शेख, हेमराज वाडिया एडवोकेट, पुरुषोत्तम यादव, प्रताप करोसिया,आर.डी.यादव, नरोत्तम माहेश्वरी, नवीन चौधरी, विजय तिलवे, पप्पू सिलावट,मंजीतसिंह सलूजा ,डॉ.नरेंद्र धाकड़, श्रीमति रेणु भरकतिया, अभय भरकतिया, कैलाश चंद्र चौधरी, इस्माइल लहरी, एम. जहांगीर खान, अमिताभ सिंगल, दिलीप गर्ग, मदनलाल मिमरोट, रमेशकुमार गोमे, राजकुमार शेरे, प्रकाश कुवाल, अरुण सपकाले, मौसम वाडिया, कासिम अली, हकीमुद्दीन,किरलाल चौहान, जे एन चौधरी, रवि नंदी, प्रियंका राठौर, अमित गुप्ता, शैलेन्द्र दुबे , तरुण उपाध्याय शामिल हुवे।

सरकारी स्कूलों में 50 प्रतिशत कोर्स बाकी

जनवरी में प्री-बोर्ड और फरवरी में बोर्ड परीक्षा

इंदौर। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी पर पाठ्यक्रम की धीमी रफ्तार भारी पड़ सकती है। स्कूलों में अब तक करीब 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम ही पूरा हो पाया है, जबकि फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू होनी हैं। दिसंबर से मार्च तक परीक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का ऐसा सिलसिला रहेगा कि विद्यार्थियों को रिवीजन और प्रश्नपत्रों के अभ्यास के लिए पर्याप्त समय मिलना चुनौती बन सकता है।

लोक शिक्षण संचालनालय के अकादमिक कैलेंडर के अनुसार, पांच से 13 जनवरी तक प्री-बोर्ड परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इनके मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने में ही आठ से दस दिन लगने का अनुमान है। इसके बाद विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियां दूर करने और बोर्ड परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए करीब 20 दिन ही मिल सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से 19 मार्च तक आयोजित होंगी। फरवरी की शुरुआत में प्रायोगिक परीक्षाएं भी प्रस्तावित हैं। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर तक शेष पाठ्यक्रम पूरा करा लिया जाएगा। वहीं, प्राचार्यों ने कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त और रेमेडियल कक्षाएं लगाने की तैयारी की है। हालांकि, लगातार परीक्षाओं के बीच पाठ्यक्रम पूरा कराने और उसकी दोहराई कराने की चुनौती बनी हुई है।

नवकुंडी नौ दिवसीय गरुड़देव महायज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ



इन्दौर। नरसिंह पुरी डेरा गंगा धाम देवगुराड़िया पहाड़ी पर नवकुंडी नौ दिवसीय गरुड़देव महायज्ञ की शुरुआत शंखनाद और गाजे-बाजे के कलश यात्रा के साथ हुई। गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सुबह आठ बजे शुरू हुई इस भव्य कलश यात्रा में पांच सौ से अधिक महिलाएं कलश लेकर देवी-देवताओं की महिमा के भजन गाते चल रही थी। यात्रा के पूर्व महंत विभूति पुरी ने भगवान गुटकेश्वर महादेव का अभिषेक तथा कलशों का पूजन किया वहीं यात्रा में रोहतक से आए करणपुरी महंत विभूति पुरी सहित अनेक संत भी शामिल हुए। सम्पूर्ण यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं का स्वागत विभिन्न स्थानों पर लगे मंचों से समाजसेवी मनीष पटेल, लखन यादव ने किया। गंगा धाम पहुंचने पर वेदमंत्रों के साथ यज्ञशाला में मंडप प्रवेश तथा आहुतियों का क्रम शुरू हुआ। 3 दिसंबर तक चलने वाले इस यज्ञ में प्रतिदिन सुबह आठ से दोपहर 12 बजे और दोपहर एक से शाम पांच बजे तक हवन होगा। तीन दिसंबर को पूर्णाहुति के साथ भंडारा आयोजित किया जाएगा।

इंदौर की प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी बनी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ इमारत

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता के बाद अब वैश्विक वास्तुकला के क्षेत्र में भी इतिहास रच दिया है। शहर स्थित प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी की भव्य इमारत को World Architecture Festival (WAF) 2026 में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ इमारत घोषित किया गया है।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित फोर्ट लॉडरडेल में 20 नवंबर को आयोजित भव्य समारोह में इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा की गई।

प्रसिद्ध वास्तुविद (Architect) संजय पूरी द्वारा डिजाइन की गई इस इमारत ने दुनिया भर की दिग्गज वास्तु परियोजनाओं को पीछे छोड़ते हुए यह सर्वोच्च सम्मान भारत के नाम किया है।



क्या है इस इमारत की खासियत?

विशाल ओपन-एयर ऑडिटोरियम- 32 एकड़ में फैले परिसर की इस पांच मंजिला संरचना में सीढ़ीनुमा छतों का अनूठा संगम है। इसमें एक विशाल ओपन-एयर ऑडिटोरियम है, जहां एक साथ करीब 9,000 विद्यार्थी बैठ सकते हैं। 463 सीढ़ीनुमा प्लेटफॉर्म- यह संरचना न केवल बड़े आयोजनों के लिए उपयोगी है, बल्कि छात्रों के संवाद, सामाजिक मेलजोल और सामूहिक अध्ययन के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करती है।

इस भवन का डिजाइन भारत की प्राचीन बावड़ियों की स्थापत्य शैली से प्रेरित है। जिस तरह सदियों पुरानी बावड़ियां जल संग्रहण के साथ-साथ सामाजिक मेलजोल का केंद्र होती थीं, उसी तर्ज पर इस इमारत के प्रशासनिक कार्यालय, सेमिनार हॉल, पुस्तकालय और कैफेटेरिया को खुले आंगनों के आसपास बनाया गया है, जिससे प्राकृतिक रोशनी और हवा का निर्बाध संचार होता है।

40 डिग्री तापमान में भी पर्यावरण अनुकूल

इंदौर की गर्म जलवायु को ध्यान में रखते हुए इसमें छायादार आंगन, प्राकृतिक वेंटिलेशन और हवादार बाहरी संरचना तैयार की गई है। इससे एयर कंडीशनिंग और कृत्रिम रोशनी पर निर्भरता बेहद कम हो जाती है। पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक शिक्षा के इसी समन्वय ने अंतरराष्ट्रीय निर्णायकों को सबसे अधिक प्रभावित किया।

आज होगा युगदृष्टा संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनि राज पर डाक टिकट जारी

इंदौर (ओम पाटोदी)। युगदृष्टा, आध्यात्म योगी, भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धारक, संत शिरोमणि, समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनि राज के भारतीय संस्कृति के पुनः स्थापना के लिए दी गई महत्वपूर्ण प्रेरणा, आशीर्वाद और आध्यात्मिक जगत में महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुए उनके सम्मान में भारतीय डाक विभाग दिनांक 27/11/26 शुक्रवार को दोपहर 1 बजे। एक विशेष मिनिएचर शीट (डाक टिकटों का सेट) प्रथम दिवस आवरण और विवरणिका जारी कर रहा है।



इसमें उनके जीवन एवं महत्वपूर्ण प्रकल्पो पर आधारित कम से कम तीन डाक टिकट, पांच अथवा आठ डाक टिकट हो सकतें हैं। यह बात जारी होने के पश्चात की पता चलेगी। उक्त जानकारी देते हुए वरिष्ठ फिलेटेलिस्ट एवं वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी पर काफी समय से डाक टिकट जारी होने की चर्चा चल रही थी परन्तु कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा। अब जाकर तय हुआ कि डाक टिकट जारी हो रहा है। इससे समाज जनों के साथ ही सम्पूर्ण जगत के फिलेटेलिस्ट (डाक टिकट संग्राहकों) में हर्ष का माहौल है। आचार्य श्री के संयम जीवन पर एवं विभिन्न प्रकल्पो पर अब तक लगभग 211 विशेष आवरण डाक विभाग के विभिन्न डाक घरों से जारी हो चुके हैं जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित हो गया है। जिसे विभिन्न रिकार्ड बुक में दर्ज भी किया गया है।

हस्तशिल्प निगम के संरक्षण और लंबित पुरस्कारों की घोषणा हेतु मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

इंदौर। प्रदेश के पारंपरिक शिल्पकारों, बुनकरों एवं हस्तशिल्प से जुड़े श्रमिक परिवारों के संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु श्री हमीरचंद मंडलोई स्मृति लोक कल्याण संस्थान (शम्स) ने माननीय मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपकर महत्वपूर्ण मांगें उठाई हैं।

संस्थान के संयोजक भगवत (बबलू) मंडलोई ने ज्ञापन के माध्यम से संत रविदास मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के संभावित पुनर्गठन या निजीकरण की आशंकाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए निगम को और अधिक सशक्त बनाने की मांग की है। संस्थान ने यह भी मुद्दा उठाया कि पिछले लगभग तीन वर्षों से राज्य स्तरीय हस्तशिल्प एवं विश्वकर्मा पुरस्कारों की घोषणा लंबित है, जिसे वार्षिक कैलेंडर जारी कर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए।

प्रमुख मांगें- निगम के निजीकरण या पुनर्गठन के किसी भी प्रस्ताव को निरस्त कर इसे मजबूत किया जाए। मृगनयनी के माध्यम से प्रमाणित शिल्पकारों एवं स्वयं सहायता समूहों से प्रत्यक्ष खरीद को बढ़ावा मिले। उत्पादों के विपणन हेतु ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग को प्राथमिकता दी जाए। बाग प्रिंट, चंदेरी, महेश्वरी, डोकरा और भीली कला सहित प्रदेश की पारंपरिक हस्तकलाओं के संवर्धन हेतु विशेष कार्ययोजना लागू हो।

डॉ. शरद पंडित की बायोग्राफी सहित दो पुस्तकों का विमोचन सम्पन्न

इंदौर। प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ, चिकित्सक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व डॉ. शरद पंडित के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक गरिमामय समारोह में दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन सम्पन्न हुआ।

समारोह में पहली पुस्तक 'मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक डॉ. शरद पंडित के जीवन, व्यक्तित्व, चिकित्सा सेवा और सामाजिक योगदान पर आधारित जीवनी है। परिवार द्वारा संकलित इस पुस्तक का लेखन, संपादन एवं प्रकाशन प्रसिद्ध रंगकर्मी संजय पटेल द्वारा किया गया है। पुस्तक में डॉ. पंडित के जीवन के विविध आयामों, उनके व्यावसायिक सफर, सामाजिक प्रतिबद्धताओं तथा व्यक्तिगत मूल्यों को समाहित किया गया है। इसके साथ ही डॉ. के. के. पुराणिक द्वारा लिखित पुस्तक 'आर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स इन हेल्थकेयर एंड बायोमेडिकल एप्लिकेशन्स- इंडियन पर्सपेक्टिव' पुस्तक का भी विमोचन किया गया। यह पुस्तक भारत के स्वास्थ्य परिदृश्य में ए आई की भूमिका, संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर केंद्रित है। पुस्तक में स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन, जैव-चिकित्सकीय अनुसंधान तथा क्लिनिकल निर्णय सहायता प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर विभिन्न शोध एवं विचार प्रस्तुत किए गए हैं। डॉ. के. के. पुराणिक, इंजीनियरिंग, तकनीकी शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उद्योग जगत में लंबे अनुभव रखने वाले वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ और शिक्षाविद हैं।



पुस्तक विमोचन समारोह श्रीमती अरुणा शर्मा (सेवानिवृत्त आईएएस) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. बी. पी. पांडे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट अजय शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।